

किया जाये तो सरकार की जिम्मेदारी आर्थिक दृष्टि से क्या होगी ?

**श्री आबिद खली :** रिपोर्ट तो २६ जुलाई १९५५ को सभा-पटल पर रख दी गई थी। सरकार के ऊपर आर्थिक दृष्टि से कितनी जिम्मेदारी होगी इस पर विचार नहीं किया गया क्योंकि योजना को भ्रमल में लाने का विचार नहीं था।

**Shri T. B. Vittal Rao:** The retrenchment and lay-off compensation is meant only for the workers who are already in employment. But is there any scheme for those who have no job at all of providing some unemployment relief ?

**The Minister of Labour (Shri Khan-dubhai Desai):** As my colleague has stated, the working group has suggested a scheme in substitution of the benefits available under the Industrial Disputes Act and therefore it was not found desirable to have that scheme. With regard to the larger scheme which the hon. Member has suggested, of course, such schemes are always under consideration, and looking to the financial aspects as well the general economy of the country, they will always receive consideration.

#### Iron Ore Export

\*1496. **Shri Deogam:** Will the Minister of Transport be pleased to state:

(a) the number of wagons of Iron Ore received in the Calcutta Port from Mines areas for export during the period from the 1st August to the 15th August, 1955.

(b) how many of these were diverted to ships; and

(c) how many were unloaded at Durhp ?

**The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan):** (a) to (c). Separate figures are not available in respect of iron ore. The number of wagons carrying ore of all categories such as iron, manganese, chromite and bauxite was 2148. Of these, 359 were diverted for direct shipment and the remaining 1789 were unloaded at the dumps.

**श्री देवगम :** निकट भविष्य में क्या सरकार और ट्रैफिक के लिये वैगन बढ़ा कर ट्रांसपोर्ट फैसिलिटी में अधिक सुविधा ला सकती है ?

**रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री एल० बी० शास्त्री) :** कोशिश तो हम करते हैं कि सुविधा दी जाये मगर कुछ कठिनाइयाँ हैं। जिस तरफ माननीय सदस्य ने ध्यान दिलाया है, गवर्नमेंट उस पर विचार करेगी।

#### मनोरंजन उड़ाने (ज्वाय फ्लाइट)

\*१४९८, **श्री भक्त बर्शन :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ मुख्य हवाई अड्डों पर मनोरंजन उड़ानों का जो प्रयत्न हुआ है वह बहुत लोकप्रिय नहीं है ; और

(ख) यदि हाँ, तो इस सम्बन्ध में सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

**संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर) :**

(क) जी हाँ, श्रीमान् जी।

(ख) यदि सवारियों की संख्या काफी आती रही तो इण्डियन एयर लाइन्स कोरपोरेशन मनोरंजन उड़ानों का आयोजन जारी रखेगी।

**श्री भक्त बर्शन :** क्या इस कमी का एक मुख्य कारण यह है कि अभी तक यह शर्त लगी हुई है कि जब तक १५ या २० यात्री न हों तब तक हवाई जहाज को नहीं उड़ाया जा सकता, जिसका परिणाम यह होता है कि बहुत से यात्री निराश हो कर वापस चले जाते हैं ?

**श्री राज बहादुर :** जी हाँ, यह शर्त है कि कम से कम १५ यात्री ऐसे होने चाहियें जो एक मनोरंजन उड़ान में हिस्सा लें।

**श्री भक्त बर्शन :** क्या इस मुद्दाव पर भी विचार किया गया है कि मनोरंजन उड़ानों को अधिक प्रोत्साहन देने के लिये २६ जनवरी और १५ अगस्त व इस प्रकार के दूसरे